B.A. III (Hons.)
Paper - VI
Unit - I

Date
Page

Topic

टेलर का योगदान :
Contributions of Taylor

संगठनात्मक व्यवहार को एक व्यवहार विज्ञान के रूप में विकसित करने में फ्रेडेरिक टेलर का योगदान प्रमुख है। टेलर पेनसिल्वानिया में स्टील कम्पनी में मेकेनिकल इंजीनियर की हैसियत से काम करते थे। संगठनात्मक मनोविज्ञान के विकास में फ्रेडेरिक टेलर ने (1911) अपनी पुस्तक "Principles of Scientific Management" में किसी कार्य को सबसे अच्छी तरह कैसे किया जाए, इसकी वैज्ञानिक विधि का वर्णन किया। लगभग दो दशकों के बाद उन्होंने सबसे अच्छी कार्यविधि को खोज निकाला। उन्होंने उत्पादन क्षमता को उन्नत बनाने के लिए स्पष्ट मार्गदर्शन को निर्धारित करने के लिए कर्मचारी तथा प्रबन्ध में मानसिक क्रांति लाने का प्रयास किया। उन्होंने प्रबन्ध के निम्नलिखित चार सिद्धान्तों या नियमों का उल्लेख किया —

(i) मानक कार्य अभ्यास को विकसित करना (To develop standard work practice) — इस नियम के अनुसार वैज्ञानिक प्रबन्ध का प्रथम नियम है मानक कार्य अभ्यास को निश्चित तथा विकसित करना। इसके लिए आवश्यक होता है कार्य के विभिन्न पक्षों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना तथा उनकी सार्थकता को निर्धारित करना। इसके साथ-साथ कर्मचारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपकरणों को मानकीकृत बनाने का प्रयास किया जाना है।

(ii) प्रत्येक कर्मचारी का चयन वैज्ञानिक ढंग से करना (To Select each Worker Scientifically) — इस नियम के अनुसार कर्मचारियों का चयन विधिवत रूप से किया जाना चाहिए।

To be Continued...